



वैदिक ज्योतिष में, 12 राशियों और 27 नक्षत्रों को चार प्राथमिक ब्रह्मांडीय तत्वों में वर्गीकृत किया गया है - **अग्नि (Agni)**, **पृथ्वी (Prithvi)**, **वायु (Vayu)** और **जल (Jala)**। ये तत्व किसी व्यक्ति की जन्म कुंडली के मौलिक मनोवैज्ञानिक स्वभाव और ऊर्जावान स्तर का प्रतिनिधित्व करते हैं।

अपने प्रमुख तत्व को समझने से यह स्पष्ट होता है कि आप जीवन को कैसे अनुभव करते हैं, निर्णय कैसे लेते हैं और दबाव की स्थिति में कैसी प्रतिक्रिया देते हैं।

चार तत्व और उनकी राशियाँ

पश्चिमी ज्योतिष की तरह ही, 12 राशियों को चार त्रिकों ($4 \times 3 = 12$) में विभाजित किया गया है। वैदिक ज्योतिष में, ये तत्व सीधे तौर पर चार **पुरुषार्थों** से जुड़े हैं - जो मानव जीवन के चार मौलिक उद्देश्य हैं।

अग्नि (Agni) — धर्म / प्रेरणा • मेष (Mesha) • सिंह (Simha) • धनु (Dhanu)

पृथ्वी (Prithvi) — अर्थ / संरचना • वृषभ (Vrishabha) • कन्या (Kanya) • मकर (Makara)

वायु (Vayu) — काम / संपर्क • मिथुन (Mithuna) • तुला (Tula) • कुंभ (Kumbha)

जल (Jala) — मोक्ष / अंतर्ज्ञान • कर्क (Karka) • वृश्चिक (Vrishchika) • मीन (Meena)

1. अग्नि (अग्नि तत्व) — मेष, सिंह, धनु

• **जीवन का प्राथमिक उद्देश्य:** धर्म (कर्तव्य, धार्मिकता, उद्देश्य)

• **मूल गुण:** उत्साह, दूरदर्शिता, पहल, नेतृत्व, साहस और रूपांतरण।

• **मनोवैज्ञानिक रूपरेखा:** अग्नि राशियाँ प्रेरणा और कर्म से संचालित होती हैं। वे स्वाभाविक मार्गदर्शक होते हैं जिन्हें कार्य करने के लिए एक स्पष्ट उद्देश्य की आवश्यकता होती है। वे तेजी से कार्य करते हैं, स्पष्ट बोलते हैं और स्थिर रहने के बजाय जोखिम लेना पसंद करते हैं।

• **असंतुलन होने पर:** अग्नि की अधिकता से शीघ्र क्रोध, अत्यधिक मानसिक थकावट (बर्नआउट), अहंकार और आवेगी विवाद उत्पन्न होते हैं। अग्नि की कमी से प्रेरणा की कमी, कमजोर पाचन और आत्मविश्वास की कमी होती है।

2. पृथ्वी (पृथ्वी तत्व) — वृषभ, कन्या, मकर

• **जीवन का प्राथमिक उद्देश्य:** अर्थ (भौतिक सुरक्षा, धन, ठोस परिणाम)

• **मूल गुण:** स्थिरता, सहनशीलता, यथार्थवाद, व्यावहारिक बुद्धि और अनुशासन।

• **मनोवैज्ञानिक रूपरेखा:** पृथ्वी राशियाँ विचारों को भौतिक वास्तविकता में उतारती हैं। वे स्थिरता, वित्तीय सुरक्षा, व्यवस्था और ठोस प्रगति को महत्व देती हैं। वे तर्क, अवलोकन और प्रमाणित प्रणालियों के माध्यम से जानकारी को समझती हैं।

• **असंतुलन होने पर:** पृथ्वी की अधिकता जिद्दीपन, बदलाव के डर, भौतिकवाद और मानसिक जड़ता के रूप में प्रकट होती है। पृथ्वी की कमी से वित्तीय अव्यवस्था, अव्यावहारिकता और परियोजनाओं को पूरा करने में कठिनाई होती है।

3. वायु (वायु तत्व) — मिथुन, तुला, कुंभ

- **जीवन का प्राथमिक उद्देश्य:** काम (इच्छा, सामाजिक संबंध, बौद्धिक विस्तार)
- **मूल गुण:** बुद्धि, संचार, अनुकूलनशीलता, नेटवर्किंग और अमूर्त विचार।
- **मनोवैज्ञानिक रूपरेखा:** वायु राशियाँ विचारों की गति और सामाजिक जुड़ाव का संचालन करती हैं। वे विचारों, दर्शन, व्यापार और पारस्परिक संबंधों से फलती-फूलती हैं। वे स्वाभाविक वार्ताकार, लेखक और वैचारिक विचारक होते हैं।
- **असंतुलन होने पर:** वायु की अधिकता से चिंता, अत्यधिक सोचना, बेचैनी और भावनात्मक अलगाव उत्पन्न होता है। वायु की कमी से संचार कौशल में कमी, नेटवर्किंग में कठिनाई और मानसिक थकान होती है।

4. जल (जल तत्व) — कर्क, वृश्चिक, मीन

- **जीवन का प्राथमिक उद्देश्य:** मोक्ष (आध्यात्मिक मुक्ति, भावनात्मक उपचार, अंतर्ज्ञान)
- **मूल गुण:** अंतर्ज्ञान, सहानुभूति, भावनात्मक गहराई, भक्ति और अवचेतन प्रक्रिया।
- **मनोवैज्ञानिक रूपरेखा:** जल राशियाँ जीवन को भावनाओं और सूक्ष्म अनुभूति के माध्यम से अनुभव करती हैं। उनके पास गहरी भावनात्मक समझ, कलात्मक संवेदनशीलता और मजबूत सहज प्रवृत्ति होती है। वे स्वाभाविक रूप से आध्यात्मिक विकास, हीलिंग और मनोवैज्ञानिक अनुसंधान की ओर आकर्षित होती हैं।
- **असंतुलन होने पर:** जल की अधिकता से अत्यधिक भावनात्मक संवेदनशीलता, मूड में बदलाव, अति-लगाव और सीमाओं की कमी होती है। जल की कमी भावनात्मक रूखेपन, दूसरों से जुड़ने में कठिनाई और दबी हुई भावनाओं के रूप में प्रकट होती है।

अपने प्रमुख तत्व का निर्धारण कैसे करें

एक ज्योतिषी तीन प्रमुख बिंदुओं का विश्लेषण करके कुंडली में तत्वों के संतुलन का मूल्यांकन करता है:

1. **लग्न राशि (Lagna):** यह आपकी शारीरिक बनावट, आधारभूत जीवन शक्ति और जीवन के प्रति आपके बाहरी दृष्टिकोण को दर्शाता है।
2. **चंद्र राशि (Rashi):** यह आपके आंतरिक भावनात्मक परिदृश्य और मनोवैज्ञानिक आधार को दर्शाती है।
3. **ग्रहों का समूह:** किसी एक ही तत्व की राशियों में तीन या अधिक ग्रहों (विशेष रूप से सूर्य, गुरु या शनि जैसे प्रमुख स्वामियों) का जमावड़ा आपके लग्न की परवाह किए बिना उस "तत्व की प्रधानता" का निर्माण करता है।

<https://astroarpitanath.com/hindi/the-four-rashi-elements/>

ज्योतिष केवल मार्गदर्शन के लिए प्रदान किया जाता है। जीवन के महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए, कृपया किसी योग्य पेशेवर से परामर्श लें।